

वन एवं ग्राम्य विकास आयुक्त शाखा
(ग्राम्य विकास) उत्तरांचल शासन

सं०: 830/व.ग्रा.वि.

/2001 देहरादून: 14 मई, 2001

विषय : उत्तरांचल कपार्ट कार्यक्रम सहयोग एवं समन्वय समिति : गठन, उद्देश्य व कार्य पद्धति ।

योजना आयोग, भारत सरकार तथा काउन्सिल फार एडवांसमेंट आफ पीपुल्स एक्शन एण्ड रूरल टेक्नोलॉजी (कपार्ट) से प्राप्त निर्देशों तथा उत्तरांचल में विकास कार्यक्रमों के संचालन में स्वयं सेवी संस्थाओं की बढ़ती हुई भूमिका को ध्यान में रखते हुए इनकी क्षमताओं के अधिकतम उपयोग हेतु तथा सरकारी विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच आपसी सहयोग एवं समन्वय समिति का गठन करने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं ।

उत्तरांचल कपार्ट कार्यक्रम सहयोग एवं समन्वय समिति

2. समिति निम्नवत् गठित की जाती है :

(1)	मा० ग्राम्य विकास, पंचायतीराज एवं जलाराम मंत्री, उत्तरांचल	अध्यक्ष
(2)	प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास, उत्तरांचल	सदस्य
(3)	डा० रवि चोपड़ा, पी०एस०आई०, देहरादून	सदस्य
(4)	श्री वीरेन्द्र पैन्पूली, श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम, अंजलीसेण, टिहरी गढ़वाल	सदस्य
(5)	श्री चण्डी प्रसाद भट्ट, दशौली ग्राम स्वराज मण्डल, गोपेश्वर, चमोली	सदस्य
(6)	डा. अनिल जोशी, हेस्को, रुद्रप्रयाग	सदस्य
(7)	डा० ललित पाण्डे, उत्तराखण्ड सेवा निधि, अल्मोड़ा	सदस्य
(8)	श्री असित मित्रा कसार, ट्रस्ट, मनकोट, बागेश्वर	सदस्य
(9)	श्री दिनेश जोशी, हिमालयन स्टडी सर्किल, पिथौरागढ़	सदस्य
(10)	श्री पवन राणा, ईरा लोहाघाट, चम्पावत	सदस्य
(11)	श्री कनाई लाल, चिराग, शीतला, मुक्तेश्वर, नैनीताल	सदस्य
(12)	श्री महेन्द्र कुंवर, हिमालयन एक्शन रिसर्च सेंटर, नौगांव, उत्तरकाशी	सदस्य
(13)	अपरसचिव (ग्राम्य विकास), उत्तरांचल	सदस्य सचिव

समिति के उद्देश्य :

- 3.1 स्वैच्छिक संस्थाओं के कार्य क्षेत्र को दृढ़ता प्रदान करना और उत्तरांचल में कपार्ट की गतिविधियों को बढ़ाना ।
- 3.2 राजकीय कार्यक्रमों और स्वैच्छिक संगठनों के बीच ताल-मेल बढ़ाना और दोनों क्षेत्रों के बीच उत्पन्न होने वाली कठिनाईयों का समाधान ।
- 3.3 स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से सामाजिक तथा स्वैच्छिक समूहों और संगठनों को विकास कार्यक्रमों में सकारात्मक रूप से प्रोत्साहित करना ।
- 3.4 उत्तरांचल के समग्र विकास में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका को प्रोत्साहन देते हुए राज्य के विकास के लिए संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाना ।

- 3.5 समन्वय समिति का प्रशासकीय विभाग ग्राम्य विकास, पंचायतीराज एवं जलागम विभाग रहेगा ।
- 3.6 समिति के द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उपरोक्त वर्णित सदस्यों के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय ख्याति के ऐसे व्यक्तियों को भी आमेलित किया जा सकेगा जिनके द्वारा उत्तरांचल के ग्रामीण विकास में विशिष्ट योगदान दिया गया हो ।

(डा० आर० एस० टोलिया)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त
वन एवं ग्राम्य विकास

प्रतिलिपि :

1. श्री इन्दु कुमार पाण्डे, सचिव, वित्त एवं नियोजन, उत्तरांचल को राज्य नियोजन प्रकोष्ठ के पत्रांक 86/वि.वि. प्र./2001 दिनांक 26 अप्रैल, 2001 को कम में सूचनार्थ ।
2. श्री रंगनदत्ता, महानिदेशक, कपार्ट, इडिया हैबिटेड सेंटर, लोदी रोड - 110003 को उनके पत्रांक DONo. DG/PS/1009/2001 दिनांक जनवरी 12, 2001 और इस कार्यालय के अन्तरिम उत्तर DONo. 661/FRDC/2001 दिनांक 9.4.2001 के क्रम में ।
3. निजी सचिव, मा. ग्राम्य विकास, पंचायतीराज एवं जलागम मंत्री, उत्तरांचल
4. डा० वी०पी० मैथानी, निदेशक, कपार्ट, केन्द्रीय क्षेत्र, लखनऊ
5. समिति के समस्त सदस्यगण ।
6. सचिव, मुख्य मंत्री उत्तरांचल
7. स्टाफ, मुख्य मंत्री, उत्तरांचल
8. सचिव, वन एवं वन्य जीव, उत्तरांचल
9. सचिव, कृषि एवं जलागम, उत्तरांचल
10. अपर सचिव, कृषि एवं पशु पालन/ग्राम्य विकास/ वन/उद्यान एवं कल्याण, उत्तरांचल
11. अनुभाग अधिकारी, वन एवं ग्राम्य विकास/ उद्यान, समाज कल्याण
- 12-25 समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल (13)
- 16-39 समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरांचल (13)
- 40 सूचना निदेशक, उत्तरांचल
- 41 समस्त प्रमुख सचिव/ सचिव, उत्तरांचल (सूची के अनुसार)